

# यीशु मसी पाणि माझं आनंदै





# यीशु मसी पाणि माइं आन्डै

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book  
Red level book

प्रकाशण:-

NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह पानी के ऊपर किस प्रकार चलते हैं, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एक दूस यीशुइ आपडे चेलौउं आरि  
बोलौ। आओ आमैं झील दि पारै  
डेइ। तैबै यीशु चेलौउं रे साथै झील  
दि पारै डेन्दे लागौ।



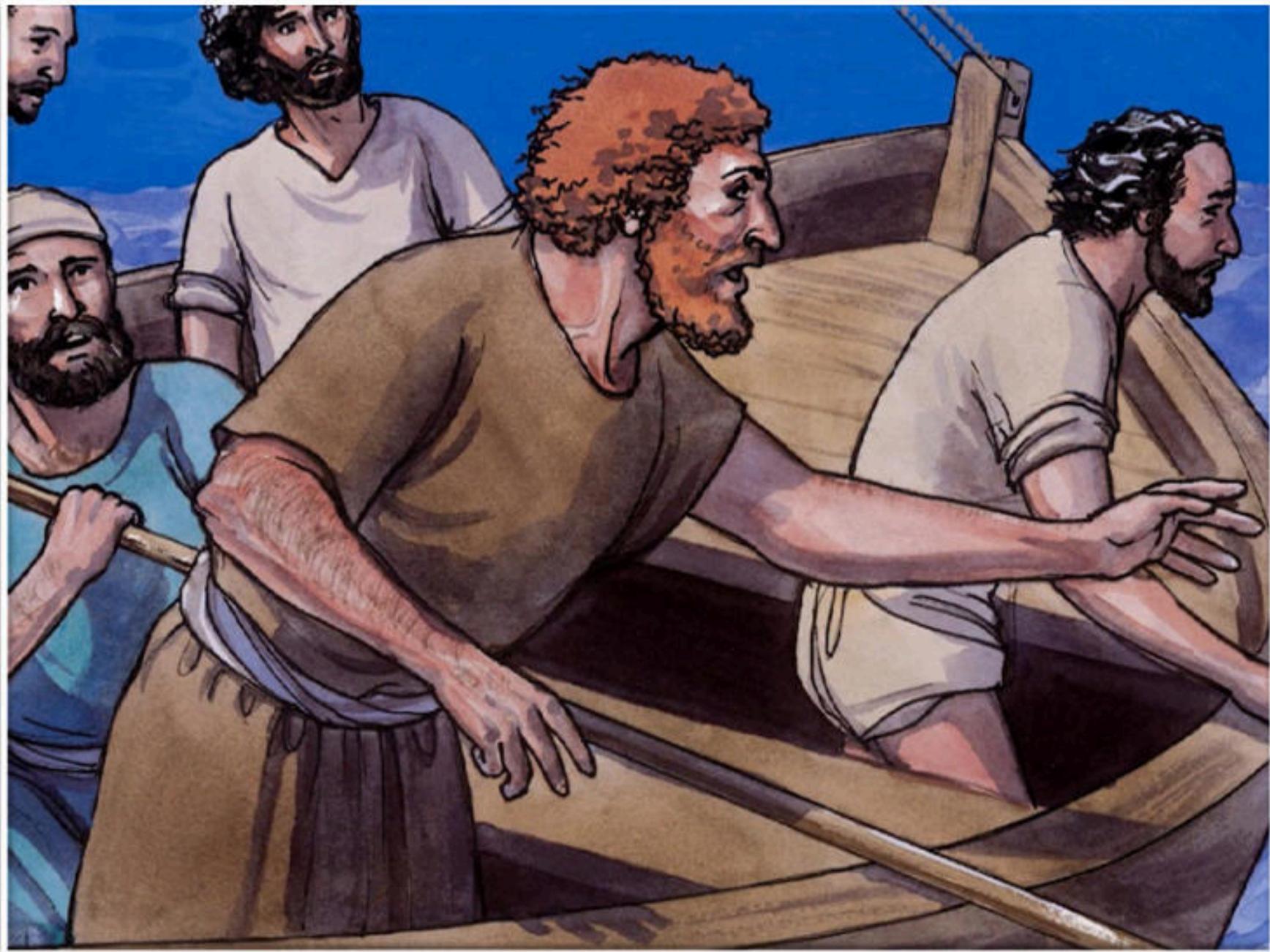
यीशु नाउ दि पालिपौशे डेइयौ सुती  
रौ। तैबै चेलै नाउ दि थै, औज़ि झील  
दि तुफान आओ। औज़ि नाउ पाणि रे  
ज़ोकै कौइ रेकान्द रौइ थी लागी।



चेलौउँ यीशु उवै विजाळ्यौ बोलौ । ए  
यीशु तुम्कै कुछु वि चिन्ता न नौथि!  
आमु बौच्चाउ, आमैं मैरनै वाळै । तेवै  
यीशुइ विऊजियौ तुफान औजि पाणि  
औड़काओ । औजि तुफान रुकौ  
औजि तेत्कै बौडी शान्त मिली ।



तैवै यीशुइ आपडै चेलौउँ आरि  
बोलौ, कि तुमैं केलाइ रैयै डौरदै  
लागी? का तुम्कै औज़ि वि विश्वाश  
ना नौथि।



पर चेलै बौरी डौरी मौरे औजि बोल्दै  
लागै। “एऊ कुण”? तुफान औजि  
पाणि बि एसरी आजा मानै। तैबै से  
यीशु रै साथै झील कौइ पारै दै।



थोड़ै दूस गासियै यीशुइ चेलौउँ आरि  
बोलौ। तुमैं नाउ दि बोशियौ मुँकौइ  
आगाणिकै बेतसैदा बौज़ारेखि डैओ।  
तैबै यीशु प्राथना कौरदै डान्है माइं  
डैओ।



तैवै यीशु कै डान्डै माइं बियाळकै  
ओइ गोआौ थौ। आजि सेजै बौत्तेदि  
नाउ झील रै बिच्चे दि थी। नाउ पाणि  
रै जोकै कौइ रेकान्दि रौइ थी लागी,  
केलाकि बागुर सेजी बाटि थी।



राती रै पैरे दि यीशु पाणि माझं  
आन्डियौ तिउँकाइ ठैओ। चेलै यीशुइ  
पाणि माझं आन्डू वैरे देखिवयौ ठौरी  
मैरे। औजि चेलै गोल्दै लागै कि एऊ  
तै बूत।



ਤੈਥੈ ਧੀਸ਼ੁਇ ਚੇਲੈਉਂ ਆਰਿ ਬੋਲੈ, ਕਿ  
ਡੌਰਿਯੈ ਨਾ ਆਉਂ। ਤੈਥੈ ਧੀਸ਼ੁ ਚੇਲੈਉਂ  
ਕਾਇ ਨਾਉ ਦਿ ਆਓ। ਧੀਸ਼ੁ ਔਜ਼ੀ  
ਤੇਸਰੈ ਚੇਲੈ ਤੇਵਕੈ ਕੌਇ ਪੋਰੁ ਝੈ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.